‘दि इनक्रेडबिल जर्नी ऑफ कोसा’ पुस्तक का वमिोचन

चर्चा में क्यों?

15 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वधिानसभा परसिर स्थति अपने कार्यालय कक्ष में कोसा सल्कि की पौराणकि काल से लेकर अब तक की यात्रा, कोसे की साड़ियों और पोशाक सामग्री पर संपादति पुस्तक ‘दि इनक्रेडबिल जर्नी ऑफ कोसा’ का वमिोचन कयिा।

प्रमुख बदिु

- यह पुस्तक वरषि्ठ पत्रकार के. एन. कशिोर एवं डॉ. राजेंद्र मोहंती द्वारा संपादति है।
- यह पुस्तक ‘कोसा’ रेशम के पीछे की पौराणकि कथाओं, इसकी ऐतहिासकि उत्पत्ति, भारत में रेशम के आगमन और वकिास के बारे में बताने वाले साहत्यिकि साक्ष्य और छत्तीसगढ़ में इसके आगमन के संबंध में चर्चा करती है।
- इसके अलावा यह रेशम के उत्पादन की पारंपरकि प्रक्रयिा, धागा बनाने की प्रक्रयिा के साथ-साथ वभिन्नि प्रकार के रेशमी कपड़ों, जैसे- साड़ी, ड्रेस सामग्री, फर्नशिगि आदि की प्रक्रयिा पर भी चर्चा करती है।
- यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के बेशकीमती हथकरघा कोसा उत्पाद पर एक संक्षप्ति जानकारी देगी और नई पीढ़ियों के लयि ज्ञान के भंडार के रूप में उपयोगी होगी।
- के. एन. कशिोर ने बताया कि यह पुस्तक रेशम की बुनाई के पारंपरकि रूपों के साथ-साथ कोसा की यात्रा, रूपांकनों, रंगों और बुनावट के दस्तावेज़ीकरण तथा कोसा के इतहिास को संरक्षति करने का एक प्रयास है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/book-launch-of-the-incredible-journey-of-kosa